

14.09.2025



हिंदी दिवस संदेश

डीएफसीसीआईएल परिवार के प्रिय साथियों,

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

हमारे भारत की संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार करने के साथ ही हिंदी ने तब से लेकर आज तक, देश की विविधता में एकता स्थापित करने और सामूहिक सद्भावना को सुदृढ़ करने का महती कार्य किया है।

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसमें आपको देश की कई भाषाओं के तत्व मिल जाएंगे और इन तत्वों के समावेशन के साथ राजभाषा के रूप में हिंदी के संवर्धन के अनेक काम हुए हैं। इसी क्रम में आधुनिक तकनीक के माध्यम से हिंदी को अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाने का निरंतर प्रयास किया गया है।

उपरोक्त के दृष्टिगत डीएफसीसीआईएल में भी राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान दिया गया है। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा जारी सभी योजनाओं को पूरी तरह से लागू किया गया है। इसके अलावा डीएफसीसीआईएल द्वारा कई अन्य विशेष योजनाएं भी अपने स्तर से प्रारंभ की गई हैं, जिससे राजभाषा हिंदी के प्रति सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष रूप से प्रेरित किया जा सके। इसी क्रम में वर्ष 2024 से राजेन्द्र यादव कहानी प्रतियोगिता एवं मुक्तिबोध काव्य प्रतियोगिता लागू की गई। इसके अतिरिक्त हिंदी में संक्षिप्त वीडियो प्रतियोगिता तथा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को ई-ऑफिस में अधिकाधिक हिंदी में कार्य करने एवं हिंदी मौलिक पुस्तक लेखन की पुरस्कार योजनाएं भी वर्ष 2025 में प्रारंभ की गई हैं। मेरा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध है कि इन सभी योजनाओं में अधिकाधिक रूप से सहभागिता करें।

मुझे आपको यह बताते हुए हर्ष है कि डीएफसीसीआईएल के मुंबई उत्तर एवं मुंबई दक्षिण तथा वड़ोदरा स्थित फील्ड कार्यालयों के माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा राजभाषा संबंधी निरीक्षण किए गए और इस समिति ने इन सभी कार्यालयों द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्य को संतोषजनक पाया।

इस अवसर पर आपसे अनुरोध है आइये, आज हम सब संकल्प लें कि अपने कार्यालय के कामकाज में अधिक से अधिक काम हिंदी में करने का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तथा संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति करेंगे।

जय हिंद



(प्रवीण कुमार)
प्रबंध निदेशक